EDUCATION DEPARTMENT

The 26th June, 1986

No. 35/40/85-Edu. I (6).—The Governor of Haryana hereby revokes the appointment of Shri Hardwari Lal, Member Parliament, as Honorary Advisor to Haryana Government, Education Departmrnt, made,—*vide* Haryana Government Notification No. 35/40/85-Edu. I (6), dated the 29th May, 1985, with immediate effect.

L. M. JAIN,

Commissioner and Secretary to Government, Haryana,
Education Department.

FOOD AND SUPPLIES DEPARTMENT

The 22nd May, 1986

No. 1331-SB-1-86/16457.—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Land Acquisition Act, 1894 the Governor of Haryana, hereby withdraws from the acquisition of the land with respect to which Haryana Government, Food and Supplies Department Notification No. 6361-SB-1-85/35241, dated the 19th November, 1985 was issued under section 4 of the said Act, and declaration under section 6 thereof was made with Haryana Government, Food and Supplies Department, Notification No. 6361-SB-1-85/35243, dated the 19th November, 1985.

VISHNU BHAGWAN,

Secretary to Government, Hrayana,
Food and Supplies Department.

खाद्य व पूर्ति विभाग

दिनांक 22 मई, 1986

सं. 1331-एस.बी-I-86/16457—भूमि अर्जन अधिनियम, 1894, की धारा 48 द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा भूमि को, जिस के सम्बन्ध में उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन हरियाणा सरकार खाद्य तथा पूर्ति विभाग, अधिसचना सं. 6366-एस.बी.-I-85/35241, दिनांक 19 नवम्बर, 1985 जारी की गई थी और हरियाणा सरकार खाद्य व पूर्ति विभाग अधिसूचना सं. 6361-एस.बी-85/35243, दिनांक 19 नवम्बर, 1985 द्वारा उस की धारा 6 के अधीन घोषणा की गई थी, अर्जन करने से प्रत्याहृत करते है ।

विष्णु भगवान,

सचिव, हरियाणा सरकार,
खाद्य व पूर्ति विभाग ।

FOOD AND SUPPLIES DEPARTMENT

The 22nd May, 1986

No. 1331-SB-1-86/16458.—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Land Acquisition Act, 1894, the Governor of Harvana, hereby withdraws from the acquisition of the land with respect to which Haryana Government, Food and Supplies Department, Notification No. SB-1-85/35231, dated the 19th November, 1985 was issued under section 4 of the said Act, and declaration under section 6 thereof was made with Haryana Government, Food and Supplies Department, Notification No. SB-1-85/35233, dated the 19th November, 1985.

VISHNU BHAGWAN,

Secretary to Government, Haryana,
Food and Supplies Department.

खाद्य व पूर्ति विभाग

दिनांक 22 मई, 1986

सं. एस.बी–I–86/16458.—भूमि अर्जन अधिनियम, 1894, की धारा 48 द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा भूमि को जिसके सम्बन्ध में उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन हरियाणा सरकार खाद्य व पूर्ति विभाग, अधिसूचना सं. एस.बी–I–85/35231, दिनांक 19 नवम्बर, 1985 जारी की गई थी और हरियाणा सरकार खाद्य व पूर्ति विभाग, अधिसचना सं. एस.बी–I–85/35233, दिनांक 19 नवम्बर, 1985 द्वारा उसकी धारा 6 के अधीन घोषणा की गई थी अर्जन करने से प्रत्याहृत करते हैं।

विष्णु भगवान,

सचिव, हरियाणा सरकार,
खाद्य व पूर्ति विभाग।

IRRIGATION AND POWER DEPARTMENT

Order

The 20th June, 1986

No. 6652/LC-III.—Whereas the land described in the Haryana Government Notification No. 10992/LC-III, dated the 28th August, 1985 issued under section 6 of the Land Acquisition Act, 1894 has been declared to be needed at the expense of the Haryana Government for a public purpose namely for "Constructing Dadauli Link Drain from reach R.D. 0 to 5350 feet outfalling at R.D. 8563 feet right North-Possar Drain in Villages Dadauli and Thek in Tehsil Ferozepur Jhirka, District Gurgaon.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7 of the Land Acquisition Act, 1894, the Governor of Haryana, hereby directs the Land Acquisition Officer, Irrigation Department, Haryana, Gurgaon to take action for the acquisition of the land described in the specification appended to the declaration published with the aforesaid notification.

By order of the Governor of Haryana.

O. P. SIKRI,

Superintending Engineer,

Ujina Diversion Drain Circle No. 1,
Faridabad

PUBLIC WORKS DEPARTMENT

BUILDING AND ROADS BRANCH

GURGAON CIRCLE

The 31st May, 1986

No. 28-GA-87-D/1899.—Whereas it appears to the Governor of Haryana that the land is likely to be required to be taken by the Government, at the public expenses, namely, constructing a road form Sohna to Mile 10 of Nuh-Palwal Road to village Dubalu in Gurgaon District. It is hereby notified that the land described in the specification below is required for the above purpose.

This notification is made under the provision of section IV of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern.

In exercise of the powers conferred by the aforesaid section, the Governor of Haryana is pleased to authorise the officers for the time being engaged in the undertaking, with their servants and workmen to enter upon and survey any land in the locality and do all other acts required or permitted by that section.

Any person interested in the above land, who has any objection to the acquisition of any land in the locality, may within a period of 30 days of the publication of this notification, file objection, in writing before the District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Gurgaon.

SPECIFICATION

District	Tehsil	Locality/ Village	Hadbast No.	Area in Acres	Khasra Nos.
Gurgaon	Nuh	Gangoli	193	0.43	35 — 9, 10/2, 11/1, 12 36 — 6/1 (104, 105/2, 487)
Do	Do	Dubalu	194	2.43	12 — 9/1, 9/2, 11/1, 11/2, 12, 13 — 7, 8/1, 8/2, 9, 10/1, 10/2, 11, 12/1, 12/2, 13, 14/1, 14/2, 15 14 — 6, 7, 8/1, 8/2, 13, 14/1, 14/2, 15, 26 (37, 38/1, 38/6, 38/12, 44, 45, 48, 49, 59, 60, 129, 131)
			Total :	2.73	

The 14th June, 1986

No. 28-GA-87-D/1902.—Whereas the Governor of Haryana is satisfied that land specified below is needed by Government, at public expense, for public purpose, namely, constructing a road from Mirjapur to Mirjapur School. It is hereby declared that the land described in the specification below is required for the aforesaid purpose.

This declaration is made under the provisions of section 6 of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern and under the provisions of section 7 of the said Act, the District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Gurgaon is hereby directed to take orders for the acquisition of the said land.

Plans of the land may be inspected in the offices of the District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Gurgaon and the Executive Engineer Provincial Division, P. W. D., B. & R. Branch, Gurgaon.

SPECIFICATION

District	Tehsil	Locality/ Village	Area in Acres	Rect. No.	Remarks
				H.B. No.	
Gurgaon	Pataudi	Milkpur	0.75	3	4 — 16/1, 16/2, 24 (42=179), 12 — 4, 8, 13/1

District	Tehsil	Locality/ Village	Area in Acres	Rect. No.	Remarks
Gurgaon	Pataudi	Mirjapur	0.48	23	8, 13, 14/2/1, 14/2/2, 17, 18, 26 (32, 37, 41, 42, 43, 159)
		Total	1.23		

DE NOTIFICATION

Notification No. 28-GA-87B/1757, dated 30th July, 1984 published in Haryana Government Gazette, dated 21st August, 1984, page 1065 under section IV of Land Acquisition Act, 1894 for acquisition of land for construction a road from Lohsinghani to Chamanpura in Gurgaon District is hereby de notified/withdrawn due to incorrect name of village.

(Sd.)
Superintending Engineer,
Gurgaon Circle.

श्रम विभाग

आदेश

दिनांक 14 जून, 1986

सं० ओ० वि०/हिसार/67-86/20773.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० मुख्य अभियन्ता राजकीय पशुधन फार्म हिसार, के श्रमिक श्री राम कुमार, पुत्र श्री इन्द्र सिंह डा० सरहेडा, तहसील कैथल, जिला कुरुक्षेत्र तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ पठित सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री राम कुमार, पुत्र श्री इन्द्र सिंह की सेवा समाप्त की गई है या उससे स्वयं गैरहाजिर होकर नौकरी से पुर्नग्रहणाधिकार खोया है? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?

दिनांक 20/24 जून, 1986

सं०ओ०वि०/एफ.डी./32-86/21063.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० विशाल प्रा० लि०, 49, डी. एल.एफ. एरिया, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री राजनाथ मार्फत अखिल भारतीय किसान मजदूर संगठन, सराय खवाजा, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुये अधिसूचना सं. 11495-श्री-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं, जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री राजनाथ की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?